CATHOIIC CTHRONICLAE.

| VOL. XXVIII.-NO. 53 |  | MONTREAL, WEDNESDAY. AUGUST 14, 1878. |  |  | mems |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| the pope's delegate. |  |  |  |  |  |
| the Catatolic |  |  |  |  |  |
| mase, |  |  |  |  |  |
| fre closed at |  | 边 |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| Irady made enow, |  | his mothere charch grat priestood |  |  |  |
| coin |  |  |  |  |  |
| ${ }^{\text {as }}$ |  | stowing teem tion | Amperne |  |  |
| we learn from thre |  | Ror church an |  |  |  |
|  |  | , |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | of his own motion, to succeed in a difficult time to the crosiers of St. Mel |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  | 2/d. |  |  |  |
|  |  |  |  | ad |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | Bishop Conroy was called. Has he |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| 退 |  |  |  |  |  |
| Of heren mar a |  |  |  |  |  |
| and |  | ARCHBISHOP LYNCH, TORONTO. |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| ve can re |  | Nind may brify add now that tha colosesel |  | koc |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  | Church, to the humblest walks of life, theIrish Bishop and Papal Delegate won notalone the respect due to lis rank and |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| demat orat |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | which has been put forth by a country whose thing that either justice, or reason, or sur- |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  | $\begin{aligned} & \text { to him. Scholars of his order are often more } \\ & \text { potent in the closet than on the rostrum, but } \\ & \text { the Delegate, no matter what the public ooce } \end{aligned}$ |  |  |  |
|  |  | asustain with eloquence and grace the honor:of his position.When, last January, the first stage of his | dem | dit |  |
|  |  |  |  |  |  |

